भक्ति सागर

श्री चरणदास जी कृत

जिस में नाना प्रकार के भक्ति के विषय कविता में लिखे गये हैं, कि जिनके पढ़ने से हरएक सज्जन पुरुष परमेश्वर का भक्त हो, सहज ही में उस के निन्दित कर्म छूटकर मोक्ष को प्राप्त हो सकता है

सरस्वती विलास प्रेस नरसिंहपुर
में मुद्रित हुई

अप्रेल सन् १८९५ ईस्वी

प्रथम बार
१००० पुस्तक

मूल्य फी पुस्तक
२) दो रुपया